

राज्यपाल ने दलाई नवनयुक्त मुख्य न्यायाधीश वपिनि सांघी को शपथ

चर्चा में क्यों?

28 जून, 2022 को उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सहि (से.नि.) ने राजभवन में उत्तराखण्ड के नवनयुक्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति वपिनि सांघी को शपथ दलाई।

प्रमुख बटि

- इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचवि डॉ. एस.एस. संधु ने देश के राष्ट्रपति की ओर से न्यायमूर्ति वपिनि सांघी को उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने से संबंधित अधिसूचना पढ़ी।
- ज्ञातव्य है कि सुप्रीम कोर्ट की कोलेजियम ने 17 मई, 2022 को दलिली हाईकोर्ट के वरिष्ठ जज न्यायमूर्ति वपिनि सांघी को उत्तराखण्ड हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नयुक्त करने की सफ़ारिश की थी। वपिनि सांघी ने नैनीताल हाईकोर्ट के पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मशिरा के स्थान पर 12वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली है।
- न्यायमूर्ति वपिनि सांघी का जनम 27 अक्टूबर, 1961 को नागपुर में हुआ था। उन्होंने दलिली में स्कूली शिक्षा प्राप्त की और सन् 1980 में दलिली पब्लिक स्कूल से इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण की तथा सन् 1983 में दलिली विश्वविद्यालय से बीएससी गणति (ऑनर्स) से स्नातक किया और उसके बाद दलिली विश्वविद्यालय की लॉ फ़ैकल्टी से एलएलबी की। इसी वर्ष उन्होंने एक वकील के रूप में दलिली बार काउंसिल में दाखला लिया।
- सर्वोच्च न्यायालय में केंद्र सरकार के पैनल वकील के रूप में भी सांघी नयुक्त हुए। वहीं दसिंबर 2005 में उन्हें दलिली उच्च न्यायालय द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामति किया गया था। इन्होंने कई अंतर्राष्ट्रीय कानून सम्मेलनों में भाग लिया है।
- न्यायमूर्ति वपिनि सांघी 29 मई, 2006 से दलिली उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में तथा 11 फरवरी, 2008 को न्यायाधीश के रूप में नयुक्त हुए। 13 मार्च, 2022 से दलिली उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया।